हिकमत

संवाद पत्र

प्रकाशक
हिन्दी विभाग
संत अलोष्यस महाविद्यालय
इडत्वा, आलपुषा जिल्ला

खंड - १
२०१८-२०१९

प्राचार्य का सन्देश

हिन्दी विभाग से प्रकाशित 'हिकमत' शीर्षक संवाद पत्र को शुभ कामनाएँ बहुत खुशी के साथ मैं देना चाहता हूँ। हिन्दी हमारी राजभाषा ही नहीं बल्कि यह सभी भारतवासियों को एक सूत्र में बाँधनेवाला साधन है। इस दृष्टि से हिन्दी हर बारतवासियों के लिए गौरव की भाषा है। संत अलोष्यस महाविद्यालय के हिन्दी अध्यापक हमारी राष्ट्रभाषा की गरिमा और महिमा से छात्रों के अवगत कराने में समर्थ है, इसमें मुझे कोई संदेह नहीं। हिन्दी भाषा के उत्थान और विकास के लिए कई योजनाएँ ये आयोजित करते हैं। हिन्दी भाषा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा हर छात्र में भारतीय कहलाने की गौरवमयी भावना जाग्रत होता है। मेरे ख्याल से हिन्दी भाषा हर भारतवासी को अतीत के गौरव के बारे में याद दिलानेवाली भाषा है।

संक्षेप में इस महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यापक निस्संदेह हिन्दी भाषा के द्वारा इस अंतरीक्ष में देश प्रेम और एकता की भावना जगाते है। इस महान दायित्व ज्यादा शक्ति और तीव्रता से करने में ओर तद्वारा हर छात्र देश प्रेम र देशभक्ति से चमलनेवाले फूल बन जाने की शुभकामनाएं देती हूँ।

डॉ. जोच्चन जोसफ़

संपादकीय लेख

सबको सादर प्रणाम।

प्रस्तुत संवाद पत्र एटत्वा संत अलोष्यस महाविद्यालय के हिन्दी विभाग का प्रथम प्रयास है। हिन्दी संवाद पत्र प्रकाशित होने के इस सुखद वक्त पर हमारे विभाग के कर्मकुशल एवं पारदर्शी भूतपूर्व शिलपियों, स्वर्गीय श्रीमती अन्नम्मा जोसफ, श्रीमती मरियाम्मा मैथ्यु और श्रीमती बेट्टी वर्गीस को मैं श्रद्धा-सम्मान के साथ स्मरण करते हुए इन पूर्वसूरियों के पदकमलों पर सादर प्रणाम करती हूँ। इस संवाद पत्र की सफलता के लिए हर संभव सहयोग देनेवाले मेरी प्रिय सह अध्यापिका श्रीमती मरियाम्मा को मैं आभारी मन से स्मरण करती हूँ। इस संवाद पत्र के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रेरणा एवं मार्गदर्शन देनेवाले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जोच्चन जोसफ जी और महाविद्यालय के प्रबंधक पूजनीय फादर जोर्ज चूरवड़ियिल के प्रति भी मैं अपना आत्मीय आभार प्रकट करती हूँ। हिन्दी विभाग के इस प्रथम प्रयास को सफल बनाने के लिए प्रेरणाश्रोत रहे मेरे प्रिय सहयोगियों एवं महाविद्यालय के अन्य सभी सज्जनों को भी मैं कृतज्ञता से याद करती हूँ।

डॉ. सान्टी जोसफ
विभागाध्यक्ष

संत अलोष्यस महाविद्यालय एवं हिन्दी विभाग

कुट्टनाड तालूका के इस प्रथम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय का संस्थापन १९ जुलाई १९६५ को हुआ था। पहले-पहल इस जुनियर कॉलेज में पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रम की व्यवस्था मात्र थी। सन् १९७७ में इसका महाविद्यालय के रूप में उन्नयन किया गया और अर्थशास्त्र में स्नातक शिक्षा प्रारंभ करने की अनुमति दी गई। सन् १९८० में वाणिज्य शास्त्र एवं गणित में भी स्नातक शिक्षा प्रारंभ करने की अनुमति मिल गयी। केरल विश्वविद्यालय के अंतर्गत कार्यरत इस महाविद्यालय को २ अक्तूबर सन् १९८३ से महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम से संबद्ध किया गया। कुछ ही सालों के अंतर्गत वाणिज्य शास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रारंभ करने की अनुमति भी मिल गयी। आज हमारे महाविद्यालय में पाँच विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा और भौतिक विज्ञान में शोध कार्य करने की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

सन् १९६५ में जब महाविद्यालय की स्थापना हुई तब से यहाँ हिन्दी विभाग का भी शुभारंभ हुआ था। इतिहास साक्षी है कि सुयोग्य, निष्ठावान एवं कर्मठ प्राध्यापक संत अलोष्यस महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की पहचान रही है। प्रो. मरियाम्मा मैथ्यु (१९६५-१९९५) और स्वर्गीय प्रो. अन्नम्मा जोसफ (१९६६-१९९६) पहली पीढ़ी की हिन्दी प्राध्यपिकाएँ थीं। इसके बाद सन् १९८० में प्रो. बेट्टी वर्गीस इस विभाग की हिस्सा बनकर आयी। संप्रति डॉ. सान्टी जोसफ विभागाध्यक्ष के रूप में और श्रीमती सी.ए. मरियाम्मा अतिथि प्राध्यापिका के रूप में कार्यरत हैं।

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के करीब २२० छात्र यहाँ हिन्दी को उप भाषा के रूप में लेकर अध्ययन कर रहे हैं।

आज हिन्दी भाषा पढने-लिखने और बोलने की आवश्यकता काफी

(शेष पृष्ठ २ में...)

शुभ कामनाएँ

संत जोर्ज के नाम पर विख्यात इडत्वा के संत अलोष्यस महाविद्यालय केरल के सर्वश्रेष्ठ विद्यापीठों में से एक है और कुट्टनाडु का एकमात्र महाविद्यालय भी है। यहाँ के छात्रों को अकादमिक विषयों के साथ ही साथ धार्मिक मूल्यों को भी प्रमुखता देते हैं। इस कारण से इस की पवित्रता और भी बढ़ जाती है। अध्यापक और छात्रों के बीच का रिश्ता भी गहरा है। इसके अलावा कला और खेलकूद के क्षेत्रं में भी अन्य महाविद्यालयों से आगे रहा है। अतिरिक्त भाषा के रूप में हिन्दी पढनेवाले छात्रों के मन में देश भक्ति की भावना और एकत्व का महान संदेश भराने की कोशिश हम अध्यापक करते है ताकि आज की पीढी धार्मिक मूल्यों से युक्त समाज सुधारक की तरह समाज में शोभित रहे।

श्रीमती मरियाम्मा सी.ए.
सह-संपादक

पूर्व अध्यापिकाएँ

प्रो. मरियाम्मा मैथ्यु

स्वर्गीय प्रो. अन्नम्मा जोसफ

प्रो. बेट्टी वर्गीस

संत अलोष्यस महाविद्यालय एवं हिन्दी विभाग

(शेष भाग पृष्ठ १ से...)

बढ़ गई है। हिन्दी अब राजाभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा आदि शब्दों में सीमिति रहनेवाली भाषा नहीं है। हिन्दी आज विश्वभाषा बन गई है। विश्व में सबसे अधिक बोलनेवाली भाषा मन्डारिन है लगभग १०० करोड लोग मन्डारिन बोलते हैं, हिन्दी बोलने वालों की संख्या ५१ करोड लोग है जबकि अंग्रेजी बोलने वाले लोगों की संख्या ५० करोड हैं। इस प्रकार विश्व में सबसे अधिक बोलनेवाली भाषाओं के क्रम में हिन्दी का महत्व अलग है।

बधाइयाँ

Hamna N.
Cheriyil Assan Scholarship
Highest Marks in Part II Hindi (I & II Semester)

Vidya M. Nair
Prof. Annamma Joseph Memorial Endowment
Highest Marks in Part II Hindi (III & IV Semester)

प्रतियोगिताएँ

महाविद्यालय के कला-साहित्यिक मंज एवं हिन्दी विभाग के तत्वावधान में २०१८-१९ शैक्षणिक वर्ष में छात्रों के लिए विविध साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी निबन्ध लेखन, हिन्दी कथा रचना, हिन्दी कविता रचना आदि प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के कई छात्र बहुत ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिए और पुरस्कृत भी हुए हैं। इसके अलावा विभाग की प्राध्यापिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर के नामी पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशित करने और विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेने का सराहनीय प्रयास भी किए हैं।

रेमडियल क्लास ⟶

शुभ कामनाएँ

डॉ. साबन के.वी.
(भूतपूर्व प्राचार्य)

प्रो. जेरोम पी.वी.
(भूतपूर्व उप-प्राचार्य)

हार्दिक स्वागत

प्रो. मैथ्यु ग्रिगोरी
(उप-प्राचार्य)

उपलब्धियाँ

डॉ. [illegible]
अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

National Workshop/Seminars Attended

1. Two weeks workshop on Research Methodology conducted by the College Development Council, Mahatma Gandhi University from 03-12-2018 to 17-12-2018.
2. Two weeks National Workshop in Interdisciplinary Research Methodology conducted by the Research & Development Cell, Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady from May 6th to May 20th 2019.
3. Participated and Chaired a session in National Seminar on Film & Literature at Alphonsa College, Pala from 18-20 July 2018.

Question Setter

1. BA/BSc Degree (CBCS) Examination III Semester - Common Course Hindi.
2. BA (Model - II) Degree (CBCS) Examination I Semester - Common Course Hindi.
3. BA (Model - II) Degree (CBCS) Examination II Semester - Common Course - Hindi.

External Member of the Board of Examiners

Add-on Certificate course in Hindi Translation and Documentation for U.G. Students conducted by P.G. & Research Department of Hindi, St. Thomas College, Palai.

Paper Publications

1. प्रीतम अरोड़ा की कहानियों में नारी अस्मिता की अभिव्यक्ति, Page 75-77.

   Published in Research Lines (ISSN 0975-8941)

   Peer Reviewed Interdisciplinary Research Journal (Volume XI, No. 1 & 2, December 2018) by Deva Matha College Kuravilangadu.
2. अंग्रेज़ी साहित्य और हिन्दी सिनेमा by Alphonsa College Pala (not Published yet)

Layout & Printing [illegible]